अतः आपत्ति पर ... बहस हेतु
रेस्पो० के ... पर बहस प्राप्त पत्रावली ... आदेश
पत्रावली ... बहस प्राप्त ... आदेश
को पेश हो। नकलक प्रतिवादी स्थान आदेश
प्रभावी रहेगा।

अभिभावक अपील०/रेस्पो० उपस्थित। स्थगित प्रार्थनापत्र वाबत
अतः पत्रावली वास्ते बहस प्रा० पत्र
5.10.16 दिनांक 6.10.16 को पेश हो।

अभिभावक अपील०/रेस्पो० उपस्थित। वाबत स्थगित उत्तर अपील
अतः पत्रावली वास्ते बहस प्रा० पत्र
06.10.16 दिनांक 25.10.16 को पेश हो।

N. Inspected
for Officer

25-10-16 अभिभावक अपील० उप०/अभिभावक अपील० के द्वारा अपील० उप०/अभिभावक अपील० के द्वारा प्रा०पत्र पर एक पक्षीय दिनांक 30-9-16 को प्रस्तुत प्रा०पत्र पर एक पक्षीय बहस सुनी गई। अभिभावक ने बहस को दोहराए नहीं कहा जो प्रा० पत्र में अंकित है। चूँकि यह अपील धारा 212 R.T.A. के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है तहत अदालत में मूल वाद आदेश अनुपालन एवं आदेश पैरवी में खारिज हो चुका है, तो यह अपील को आगे चलाने का कोई औचित्य नहीं है। अतः अपीलार्थी अभिभावक ने भी आदेशिका पर सहमति के हस्ताक्षर किये हैं।

अतः अपील अपील० इसी स्टेज पर खारिज की जाती है। पत्रावली फाइल शुमार होकर नकल से काम को बाद कार्यवाही दाखिल दफ्तर हो।